

प्रेरितिक उत्तराधिकार

इस उत्तराधिकार-क्रम में

बिशप

GARLAND F. BYERS, JR., J.D., D.D.

जातियों के लिए बिशप, प्रेरितिक आदेश के अधीन



प्रेरितिक उत्तराधिकार क्या है

प्रेरितिक उत्तराधिकार बिशपों का वह अटूट क्रम है, जिसमें प्रत्येक बिशप अपने पूर्ववर्तियों द्वारा हाथ रखकर अभिषिक्त किया गया, और जो उन प्रेरितों तक पहुँचता है जिन्हें मसीह ने भेजा। आरम्भिक कलीसिया इसे इस बात के साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत करती थी कि उसकी सेवकाई स्वयं प्रेरितों से चली आई है: रोम के संत क्लेमेंट ने लगभग 96 ई. में इसके विषय में लिखा, और ल्योन के संत इरेनियस ने लगभग 180 ई. में प्रेरितों से लेकर अपने समय तक रोम के बिशपों का उत्तराधिकार प्रस्तुत किया।

मसीही इसके महत्व पर एकमत नहीं हैं। अनेक संप्रदाय मानते हैं कि प्रेरितिक उत्तराधिकार का कोई महत्व नहीं है, और कलीसिया की विश्वासयोग्यता बिशपों के किसी क्रम में नहीं, बल्कि प्रेरितों की शिक्षा को थामे रहने में है। अन्य इसे सच्ची सेवकाई और सच्चे संस्कारों के लिए अनिवार्य मानते हैं, जिनमें रोमन कैथोलिक कलीसिया, पूर्वी ऑर्थोडॉक्स कलीसियाएँ, ओरिएंटल ऑर्थोडॉक्स कलीसियाएँ और पूर्व की कलीसिया हैं, जबकि एंग्लिकन और कुछ लूथरन कलीसियाएँ इसे बहुमूल्य मानती हैं। अनेक संप्रदायों के भीतर भी इस विषय पर मत मिले-जुले हैं कि किसी बिशप का मसीह के किसी प्रेरित से उत्तराधिकार-क्रम में होना कितना महत्व रखता है।

बारह प्रेरित और सत्तर चेले

मसीही विश्वास में कुछ लोग मूल बारह प्रेरितों और उन सत्तर में भेद करते हैं, जिनके विषय में लिखा है कि प्रभु ने सत्तर और मनुष्य “नियुक्त किए” और “उन्हें दो-दो करके अपने आगे भेजा” (लूका 10:1)। दोनों को स्वयं मसीह ने परमेश्वर के राज्य का प्रचार करने, चंगा करने और उनका अधिकार लेकर चलने के लिए आदेश देकर भेजा था: “जो तुम्हारी सुनता है, वह मेरी सुनता है” (लूका 10:16)।

बिशप बायर्स का मत है कि सत्तर चेले मसीह को व्यक्तिगत रूप से जानते थे और मसीह ने स्वयं उन्हें आदेश देकर भेजा था; प्रभु उन्हें इतनी भली-भाँति जानते थे कि उन्होंने उन्हें अपना कार्य करने के लिए भेजा। इसी कारण बिशप बायर्स मानते हैं कि प्रेरितिक उत्तराधिकार में मूल बारह प्रेरितों के साथ-साथ सत्तर चेले भी सम्मिलित हैं। संत पौलुस, जिन्हें पुनरुत्थान के

बाद अन्यजातियों के लिए प्रेरित के रूप में बुलाया गया, बारह प्रेरितों द्वारा सच्चे प्रेरित के रूप में स्वीकार किए गए, जिन्होंने उन्हें “संगति का दाहिना हाथ” दिया (गलातियों 2:9)।

इन पृष्ठों पर दिए गए उत्तराधिकार-क्रम

बिशप बायर्स अपने प्रेरितिक उत्तराधिकार-क्रम यहाँ सार्वजनिक निरीक्षण के लिए और मसीही विश्वासियों के लाभ के लिए प्रस्तुत करते हैं। प्रत्येक पृष्ठ एक क्रम को उसके प्रेरित से, एक-एक बिशप करके, बिशप बायर्स तक दिखाता है। अधिकांश स्थितियों में प्रत्येक क्रम, प्रेरित तक पीछे जाते हुए, ठीक उन्हीं बिशप-सूचियों का अनुसरण करता है जिन्हें उसके पृष्ठ पर नामित कलीसियाएँ रखती हैं – वही सूचियाँ जिनके द्वारा वे कलीसियाएँ अपना प्रेरितिक उत्तराधिकार खोजती हैं – और प्रत्येक क्रम में नामित संत वे हैं जिन्हें वे कलीसियाएँ सम्मान देती हैं।

बिशप बायर्स के अपने अभिषेक और बिशप-पद पर अभिषेक के प्रमाण-पत्र, उनके बिशप-अभिषेक के छायाचित्रों सहित, [बिशप के विषय में](#) पृष्ठ पर प्रस्तुत हैं।

सत्तर चेलों के विषय में कोई भी मत रखा जाए, बिशप बायर्स मूल बारह प्रेरितों में से चार – संत पतरस, संत अन्द्रियास, संत यूहन्ना और संत थोमा – से, और अन्यजातियों के लिए प्रेरित संत पौलुस से भी वैध प्रेरितिक उत्तराधिकार रखते हैं। प्रसंगवश यह उल्लेखनीय है कि 2026 की स्थिति में, रोम के वर्तमान बिशप अपने प्रमुख अभिषेक-क्रम के द्वारा अपना प्रेरितिक उत्तराधिकार केवल संत पतरस तक ले जाते हैं; और मॉस्को और समस्त रूस के वर्तमान पैट्रिआर्क भी अपने प्रमुख अभिषेक-क्रम के द्वारा अपना प्रेरितिक उत्तराधिकार इसी प्रकार केवल संत पतरस तक, अन्ताकिया के पीठ से होते हुए, ले जाते हैं। कैंटरबरी की वर्तमान आर्चबिशप अपने प्रमुख अभिषेक-क्रम के द्वारा अपना प्रेरितिक उत्तराधिकार एक ही प्रेरित तक, कैंटरबरी के पीठ से होते हुए, ले जाती हैं; अन्ताकिया के वर्तमान सीरियाई ऑर्थोडॉक्स पैट्रिआर्क अपने प्रमुख अभिषेक-क्रम के द्वारा केवल संत पतरस तक, अन्ताकिया के पीठ से होते हुए; और पूर्व की असीरियाई कलीसिया के वर्तमान कैथोलिकोस-पैट्रिआर्क उस कलीसिया की सूची के अनुसार संत थोमा तक, सेल्यूकिया-टेसीफ़ोन के पीठ से होते हुए।

जहाँ तक सत्तर का प्रश्न है, बिशप बायर्स उन पाँच से प्रेरितिक उत्तराधिकार धारण करते हैं जिन्हें कलीसियाएँ सत्तर प्रेरितों में गिनकर सम्मान देती हैं: संत तदै (Addai), एडेसा के प्रेरित; संत लीनुस, संत पतरस के बाद रोम के प्रथम बिशप; संत इवोडियस, संत पतरस के बाद अन्ताकिया के प्रथम बिशप; संत इस्तखुस, बीजान्टियम के प्रथम बिशप; और संत त्रुफिमुस, आर्ल के प्रथम बिशप।

स्रोत और सत्यापन

ये उत्तराधिकार-क्रम प्रेरितिक वंशावलियों की उस पुस्तक में प्राप्त हुए, जो 2013 में बिशप-पद पर अभिषेक के अवसर पर बिशप बायर्स को भेंट की गई थी। इन्हें केवल नकल नहीं किया गया है। प्रत्येक कड़ी की जाँच और सत्यापन बिशप बायर्स

के अपने शोध द्वारा किया गया है—प्रत्येक पृष्ठ पर नामित कलीसियाओं द्वारा रखी गई बिशपों की सूचियों तथा बिशपीय उत्तराधिकार के मानक ऐतिहासिक अभिलेखों से मिलान करके, जिनमें रोमी उत्तराधिकार के विषय में परमधर्मपीठ के अभिलेख, कुस्तुन्तुनिया के विश्वव्यापी पैट्रिआर्केट और अन्ताकिया के पैट्रिआर्केटों की सूचियाँ, रूसी ऑर्थोडॉक्स, ओल्ड कैथोलिक, सीरियाई ऑर्थोडॉक्स और असीरियाई कलीसियाओं के अभिलेख, और William Stubbs की Registrum Sacrum Anglicanum सम्मिलित हैं, जो इंग्लैंड के बिशपों के अभिषेकों की पंजी है।

जहाँ ये अभिलेख पुस्तक से भिन्न हैं, वहाँ अभिलेखों का अनुसरण किया गया है और क्रमों को सुधारा गया है। पुस्तक में दावा किए गए जिन क्रमों की पुष्टि अभिलेखों से नहीं हो सकी, उन्हें छोड़ दिया गया है। इन पृष्ठों पर नामित प्रत्येक बिशप की जाँच पाठक उनकी अपनी कलीसिया के अभिलेखों में कर सकते हैं।

प्रेरितिक उत्तराधिकार-क्रम एक नज़र में

बिशप बायर्स दस प्रेरितों से प्रेरितिक उत्तराधिकार धारण करते हैं—मूल बारह प्रेरितों में से चार, संत पौलुस और सत्तर में से पाँच—ग्यारह अलग-अलग मार्गों से, जिनमें से प्रत्येक नीचे अपने अलग पृष्ठ पर प्रस्तुत है। संख्याएँ प्रत्येक उत्तराधिकार-क्रम में उनका स्थान दर्शाती हैं।

प्रेरितगण

प्रेरित	मार्ग	बिशप बायर्स
संत पतरस	रोम (Rebiba–ब्राजील) · रोम (यूट्रेक्ट) · अन्ताकिया (मेल्काइट) · अन्ताकिया (ऑर्थोडॉक्स) · अन्ताकिया (सीरियाई ऑर्थोडॉक्स)	245 · 252 · 169 · 165 · 146
संत अन्द्रियास	कीव–मॉस्को · कुस्तुन्तुनिया–अल्बानिया	173 · 264
संत यूहन्ना	कैंटरबरी · स्कॉटलैंड–Seabury	126 · 132
संत थोमा	पूर्व की कलीसिया	112
संत पौलुस	कैंटरबरी · स्कॉटलैंड–Seabury	128 · 134

सत्तर में से

सत्तर में से एक प्रेरित	मार्ग	बिशप बायर्स
संत तदै (Addai)	पूर्व की कलीसिया	111
संत लीनुस	Rebiba–ब्राजील · यूट्रेक्ट	244 · 251
संत इवोडियस	मेल्काइट · ऑर्थोडॉक्स · सीरियाई ऑर्थोडॉक्स	168 · 164 · 145

सत्तर में से एक प्रेरित	मार्ग	बिशप बायर्स
संत इस्तखुस	कीव-मॉस्को . कुस्तुन्तुनिया-अल्बानिया	172 . 263
संत त्रुफिमस	कैंटरबरी . स्कॉटलैंड-Seabury	127 . 133

इसी मापदंड से, अर्थात् अभिषेक के प्रमुख क्रम के अनुसार, प्राचीन कलीसियाओं के प्रमुखों में से प्रत्येक के पास एक ही प्रेरित तक पहुँचनेवाला एक ही उत्तराधिकार-क्रम है। बिशप बायर्स प्रत्येक के साथ एक उत्तराधिकार-क्रम साझा करते हैं, जैसा कि प्रत्येक प्रेरित के पृष्ठ पर दिया गया पैनल दर्ज करता है।

कलीसियाओं के प्रमुख, 2026 की स्थिति के अनुसार

कलीसिया के प्रमुख	उत्तराधिकार-क्रम	प्रेरित	बिशप बायर्स के साथ साझा उत्तराधिकार-क्रम
रोम के बिशप, पोप लियो XIV रोमन कैथोलिक कलीसिया	1	संत पतरस	रोम (दो मार्ग)
मॉस्को और समस्त रूस के पैट्रिआर्क, पैट्रिआर्क किरिल (Kirill) रूसी ऑर्थोडॉक्स कलीसिया	1	संत पतरस (अन्ताकिया होते हुए)	अन्ताकिया, मॉस्को होते हुए
कैंटरबरी की आर्चबिशप, सारा मुलाली (Sarah Mullally) चर्च ऑफ़ इंग्लैंड और एंग्लिकन समुदाय (Anglican Communion)	1	एक प्रेरित, कैंटरबरी होते हुए	कैंटरबरी (दो मार्ग)
अन्ताकिया के सीरियाई ऑर्थोडॉक्स पैट्रिआर्क, Ignatius Aphrem II सीरियाई ऑर्थोडॉक्स कलीसिया	1	संत पतरस (अन्ताकिया होते हुए)	अन्ताकिया (सीरियाई ऑर्थोडॉक्स)
पूर्व के कैथोलिकोस-पैट्रिआर्क, Mar Awa III पूर्व की असीरियाई कलीसिया	1	संत थोमा	पूर्व की कलीसिया
बिशप बायर्स	11	दस प्रेरित	—

उत्तराधिकार-क्रमों की संख्या पवित्र दीक्षा के अनुग्रह में कुछ नहीं जोड़ती, क्योंकि एक ही वैध उत्तराधिकार-क्रम पर्याप्त है; उन्हें यहाँ एक अभिलेख के रूप में, उन लोगों के लिए प्रस्तुत किया गया है जो उनकी जाँच करना चाहते हैं। प्रेरितिक उत्तराधिकार कोई प्रतियोगिता नहीं है, और अनेक उत्तराधिकार-क्रम धारण करने वाले बिशप के पास उस बिशप से अधिक अधिकार या वैधता नहीं है जो एक ही ऐसा उत्तराधिकार-क्रम धारण करता है जो सुदृढ़ और सत्यापन-योग्य हो। इन पृष्ठों की

किसी भी बात को किसी भी बिशप पर—और यहाँ नामित उन बिशपों पर तो कदापि नहीं, जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन कलीसिया की सेवा में अर्पित कर दिया है—वरीयता के दावे के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए। ये उत्तराधिकार-क्रम इसलिए प्रलेखित किए गए हैं कि मसीही विश्वासी, और कोई भी जो बिशप बायर्स की पवित्र दीक्षा की जाँच करना चाहे, सभी तथ्य एक ही स्थान पर पा सकें, और इसलिए कि ध्यान वहीं टिके जहाँ उसे टिकना चाहिए: परमेश्वर के वचन और यीशु मसीह के सुसमाचार पर।

संत और शहीद

प्रत्येक प्रेरित के पृष्ठ पर, इस उत्तराधिकार-क्रम में जिन्होंने विश्वास के लिए अपने प्राण दिए, उन्हें शहीद के रूप में दर्शाया गया है; और जिन्हें संत घोषित किया गया है या अन्य प्रकार से वेदी के सम्मान तक उठाया गया है, उन्हें संत या धन्य के रूप में उनके स्थान के साथ चिह्नित किया गया है, चाहे वह पूर्वी ऑर्थोडॉक्स परंपरा में हो, पश्चिमी परंपरा में हो, या दोनों में। कलीसियाएँ इस बात में भिन्न हैं कि वे किन संतों को मान्यता देती हैं और किसी व्यक्ति को संत के रूप में सम्मानित करने से पहले क्या अपेक्षा रखती हैं; प्रत्येक पृष्ठ पर दिए गए चिह्न बताते हैं कि कौन-सी कलीसिया किसका सम्मान करती है। इनका संबंध केवल जीवन की पवित्रता से है, और किसी भी अभिषेक की वैधता पर इनका कोई प्रभाव नहीं है।



उत्तराधिकार-क्रम देखने के लिए किसी प्रेरित को चुनें।

प्रेरितगण



**रोम में संत पतरस
(REBIBA—ब्राजील)**

प्रेरित और शहीद

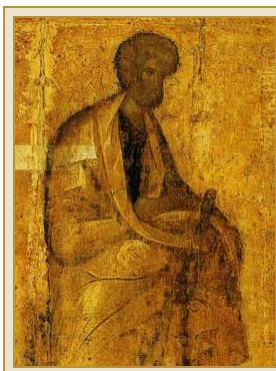
रोम, Rebiba उत्तराधिकार-क्रम, ब्राजील और अमेरिका



**रोम में संत पतरस
(यूट्रेक्ट)**

प्रेरित और शहीद

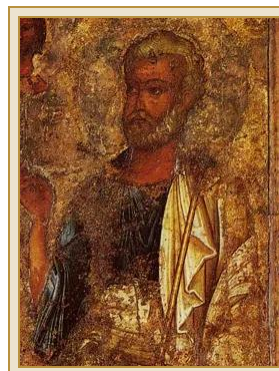
रोम, फ्रांस, यूट्रेक्ट, इंग्लैंड और अमेरिका



**अन्ताकिया में संत
पतरस (मेल्काइट)**

प्रेरित और शहीद

अन्ताकिया, मेल्काइट पैट्रिआर्केट, बेरुत और अमेरिका



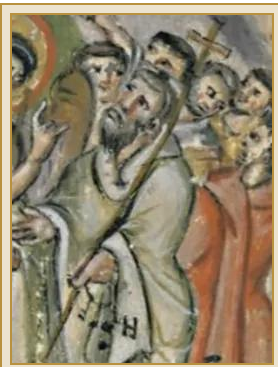
**अन्ताकिया में संत
पतरस (ऑर्थोडॉक्स)**

प्रेरित और शहीद

अन्ताकिया, ऑर्थोडॉक्स पैट्रिआर्केट, मॉस्को और अमेरिका

बिशप बायर्स, उत्तराधिकार-

क्रम में 245वें



**अन्ताकिया में संत
पतरस (सीरियाई
ऑर्थोडॉक्स)**

प्रेरित और शहीद

अन्ताकिया, सीरियाई
ऑर्थोडॉक्स पैट्रिआर्केट, भारत
और अमेरिका

बिशप बायर्स, उत्तराधिकार-
क्रम में 146वें

बिशप बायर्स, उत्तराधिकार-

क्रम में 252वें



**संत अन्द्रियास (कीव-
मॉस्को)**

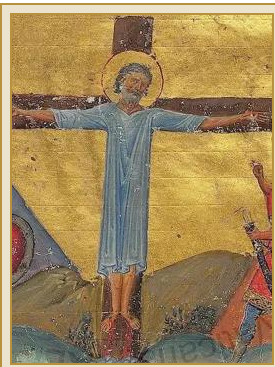
प्रथम-बुलाए गए, प्रेरित
और शहीद

कुस्तुन्तुनिया, कीव, मॉस्को
और अमेरिका

बिशप बायर्स, उत्तराधिकार-
क्रम में 173वें

बिशप बायर्स, उत्तराधिकार-

क्रम में 169वें



**संत अन्द्रियास
(कुस्तुन्तुनिया-
अल्बानिया)**

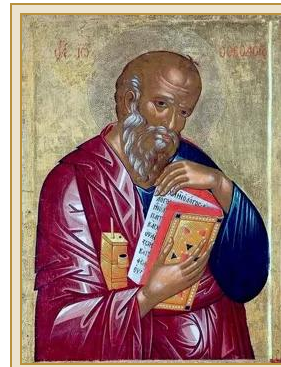
प्रथम-बुलाए गए, प्रेरित
और शहीद

कुस्तुन्तुनिया, अल्बानिया और
अमेरिका

बिशप बायर्स, उत्तराधिकार-
क्रम में 264वें

बिशप बायर्स, उत्तराधिकार-

क्रम में 165वें

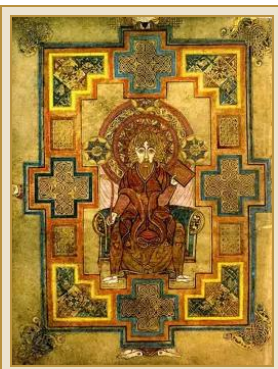


संत यूहन्ना (कैंटरबरी)

प्रेरित और सुसमाचार-
लेखक

स्मरना, ल्योन, कैंटरबरी और
अमेरिका

बिशप बायर्स, उत्तराधिकार-
क्रम में 126वें



**संत यूहन्ना (स्कॉटलैंड-
SEABURY)**

प्रेरित और सुसमाचार-
लेखक

स्मरना, ल्योन, कैंटरबरी,
स्कॉटलैंड और अमेरिका

बिशप बायर्स, उत्तराधिकार-
क्रम में 132वें

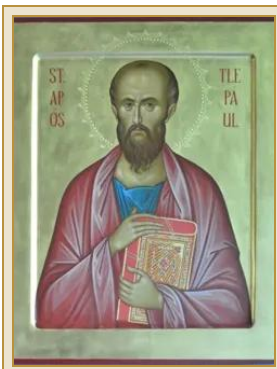


संत थोमा

प्रेरित और शहीद

पूर्व की कलीसिया, भारत,
इंग्लैंड और अमेरिका

बिशप बायर्स, उत्तराधिकार-
क्रम में 112वें

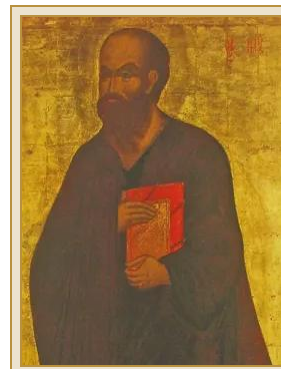


संत पौलुस (कैंटरबरी)

अन्यजातियों के लिए प्रेरित
और शहीद

आर्ल, कैंटरबरी, चर्च ऑफ़
इंग्लैंड और अमेरिका

बिशप बायर्स, उत्तराधिकार-
क्रम में 128वें



**संत पौलुस (स्कॉटलैंड-
SEABURY)**

अन्यजातियों के लिए प्रेरित
और शहीद

आर्ल, कैंटरबरी, स्कॉटलैंड
और अमेरिका

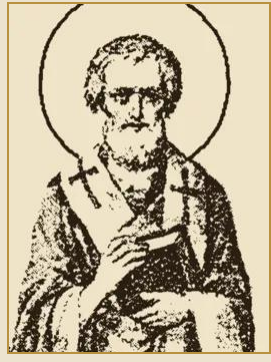
बिशप बायर्स, उत्तराधिकार-
क्रम में 134वें



संत तदै (ADDAI)

सत्तर में से एक प्रेरित
पूर्व की कलीसिया, भारत,
इंग्लैंड और अमेरिका

बिशप बायर्स, उत्तराधिकार-
क्रम में 111वें



**संत लीनुस
(REBIBA-ब्राजील)**

सत्तर में से एक प्रेरित
रोम, Rebiba उत्तराधिकार-
क्रम, ब्राजील और अमेरिका

बिशप बायर्स, उत्तराधिकार-
क्रम में 244वें



संत लीनुस (यूट्रेक्ट)

सत्तर में से एक प्रेरित
रोम, फ्रांस, यूट्रेक्ट, इंग्लैंड
और अमेरिका

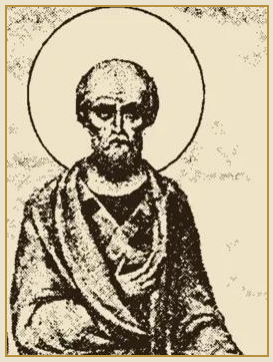
बिशप बायर्स, उत्तराधिकार-
क्रम में 251वें



**संत इवोडियस
(मेलकाइट)**

सत्तर में से एक प्रेरित
अन्ताकिया, मेलकाइट
पैट्रिआर्केट, बेरुत और
अमेरिका

बिशप बायर्स, उत्तराधिकार-
क्रम में 168वें



**संत इवोडियस
(ऑर्थोडॉक्स)**

सत्तर में से एक प्रेरित
अन्ताकिया, ऑर्थोडॉक्स
पैट्रिआर्केट, मॉस्को और
अमेरिका

बिशप बायर्स, उत्तराधिकार-
क्रम में 164वें



**संत इवोडियस
(सीरियाई ऑर्थोडॉक्स)**

सत्तर में से एक प्रेरित
अन्ताकिया, सीरियाई
ऑर्थोडॉक्स पैट्रिआर्केट, भारत
और अमेरिका

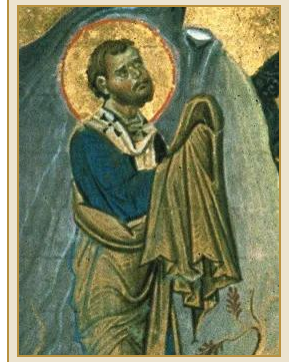
बिशप बायर्स, उत्तराधिकार-
क्रम में 145वें



**संत इस्तखुस (कीव-
मॉस्को)**

सत्तर में से एक प्रेरित
कुस्तुन्तुनिया, कीव, मॉस्को
और अमेरिका

बिशप बायर्स, उत्तराधिकार-
क्रम में 172वें



**संत इस्तखुस
(कुस्तुन्तुनिया-
अल्बानिया)**

सत्तर में से एक प्रेरित
कुस्तुन्तुनिया, अल्बानिया और
अमेरिका

बिशप बायर्स, उत्तराधिकार-
क्रम में 263वें



संत त्रुफिमस (कैंटरबरी)

सत्तर में से एक प्रेरित
आर्ल, कैंटरबरी, चर्च ऑफ़
इंग्लैंड और अमेरिका

बिशप बायर्स, उत्तराधिकार-
क्रम में 127वें



संत त्रुफिमस (स्कॉटलैंड- SEABURY)

सत्तर में से एक प्रेरित
आर्ल, कैंटरबरी, स्कॉटलैंड
और अमेरिका

बिशप बायर्स, उत्तराधिकार-
क्रम में 133वें



इस पृष्ठ पर हिंदी में उद्धृत सभी बाइबल-वचन इंडियन रिवाइज्ड वर्जन (IRV) हिंदी, 2019 से लिए गए हैं। कॉपीराइट © 2017, 2018, 2019 Bridge Connectivity Solutions; [Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International \(CC BY-SA 4.0\)](https://creativecommons.org/licenses/by-sa/4.0/) लाइसेंस के अंतर्गत। पाठ: ebible.org/hin2017। वचनों के अंश उद्धृत किए गए हैं; लोप-चिह्न (...) छोड़े गए अंश दर्शाते हैं। बाइबल के पाठ में कोई अन्य परिवर्तन नहीं किया गया है।

आइकन: संत पतरस, सीनै पर्वत, छठी शताब्दी, सार्वजनिक डोमेन। संत पतरस (यूट्रेक्ट), Lucas Vorsterman II द्वारा एचिंग (उत्कीर्ण चित्र), 1660, Rijksmuseum (एम्स्टर्डम का राष्ट्रीय संग्रहालय), सार्वजनिक डोमेन। अन्ताकिया में संत पतरस (मेलकाइट), उद्घोषणा कैथेड्रल, मॉस्को, लगभग 1399, सार्वजनिक डोमेन। अन्ताकिया में संत पतरस (ऑर्थोडॉक्स), संत सोफिया कैथेड्रल, नोवगोरोद, लगभग 1050, सार्वजनिक डोमेन। संत अन्द्रियास, Walters Art Museum (वॉल्टर्स कला संग्रहालय), बाल्टीमोर, सार्वजनिक डोमेन। संत यूहन्ना, पतमुस, लगभग 1500, सार्वजनिक डोमेन। संत थोमा, चौदहवीं शताब्दी, छायाचित्र: Herbert Frank, [CC BY 2.0](https://creativecommons.org/licenses/by-sa/4.0/)। संत पौलुस, St. Paul's Episcopal Church, सिएटल, छायाचित्र: Joe Mabel, [CC BY-SA 3.0](https://creativecommons.org/licenses/by-sa/4.0/)। संत तद्दे, सीनै पर्वत, दसवीं शताब्दी, सार्वजनिक डोमेन। संत इस्तखुस, लागूडेरा, साइप्रस, 1192, छायाचित्र: Dumbarton Oaks, CC0। संत लीनुस, रूसी “संतों की जीवनियाँ”, 1903–1911, सार्वजनिक डोमेन। संत लीनुस (यूट्रेक्ट), छापा चित्र (प्रिंट), Rijksmuseum, सार्वजनिक डोमेन। संत त्रुफिमस, आर्ल में St. Trophime का मठ-प्रांगण, बारहवीं शताब्दी, सार्वजनिक डोमेन में जारी किया गया छायाचित्र। संत इवोडियस (मेलकाइट), इतालवी चित्रशैली, सत्रहवीं शताब्दी, सार्वजनिक डोमेन। संत इवोडियस (ऑर्थोडॉक्स), रूसी “संतों की जीवनियाँ”, 1903–1911, सार्वजनिक डोमेन। अन्ताकिया में संत पतरस (सीरियाई ऑर्थोडॉक्स), रब्बूला सुसमाचार-ग्रंथ, 586 ई., सार्वजनिक डोमेन। संत अन्द्रियास और संत इस्तखुस (कुस्तुन्तुनिया-अल्बानिया), बेसिल II का मेनोलोगियन, लगभग 1000 ई., सार्वजनिक डोमेन। संत पौलुस

(स्कॉटलैंड–Seabury), स्पासो-प्रेओब्राजेन्स्की मठ, यारोस्लाव्ल, सार्वजनिक डोमेन। संत यूहन्ना (स्कॉटलैंड–Seabury), बुक ऑफ़ केल्स, लगभग 800 ई., सार्वजनिक डोमेन। संत त्रुफिमस (स्कॉटलैंड–Seabury), रूसी “संतों की जीवनियाँ”, 1903–1911, सार्वजनिक डोमेन। सभी Wikimedia Commons के माध्यम से; काटकर और आकार बदलकर। पूर्ण श्रेय प्रत्येक प्रेरित के पृष्ठ पर दिए गए हैं।